Dashavatara Stotram 7

दशावतारस्तोत्रम् ७

Document Information

Text title : Dashavatara Stotram 7

File name : dashAvatArastotram7.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra

Location : doc_vishhnu

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : January 18, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

January 18, 2020

sanskritdocuments.org

दशावतारस्तोत्रम् ७

वेदोद्धारविचारमते सोमकदानवसंहरणे ।
मीनाकारशरीर नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ १॥

मन्थानाचलधारणहेतो देवासुरपरिपाल विभो ।
कूर्माकारशरीर नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ २॥

भूचोरकहर पुण्यमते क्रीडोद्धृतभूदेशहरे ।
क्रोढाकारशरीर नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ३॥

हिरण्यकशिपुच्छेदनहेतो प्रह्लादाभयधारणहेतो ।
नरसिंहाच्युतरूप नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ४॥

बलिमदभञ्जन विततमते पादद्वयकृतलोककृते ।
वटुपटुवेष मनोज्ञ नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ५॥

क्षितिपतिवंशसम्भवमूर्ते क्षितिपतिरक्षाक्षतमूर्ते ।
भृगुपतिराम वरेण्य नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ६॥

सीतावल्लभ दाशरथे दशरथनन्दन लोकगुरो ।
रावणमर्दन राम नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ७॥

कृष्णानन्त कृपाजलधे कंसारे कमलेश हरे ।
कालियमर्दन कृष्ण नमो हरिभक्तं ते परिपालय माम् ॥ ८॥

त्रिपुरसती मानविहरणा त्रिपुरविजयमार्गनरूपा ।
शुद्धज्ञानविबुद्ध नमो भक्तां ते परिपालय माम् ॥ ९॥

शिष्टजनावन दुष्टहर खगतुरगोत्तमवाहन ते ।
कल्किरूपपरिपाल नमो भक्तां ते परिपालय माम् ॥ १०॥

नामस्मरणादन्योपायं न हि पश्यामो भवतरणे ।
राम हरे कृष्ण हरे तव नाम वदामि सदा नृहरे ॥ ११॥

इति दशावतारस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by PSA Easwaran

Dashavatara Stotram 7

pdf was typeset on January 18, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*